बिहार विधान-सभा वादवृत्त।

सोमवार, तिथि १० अप्रील १९६१।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में सोमवार, तिथि १० अप्रील १९६१ को पूर्वाह्न ११ बजे अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

श्री भोला पासवान—महाशय, मैं द्वितीय बिहार विधान-सभा के सप्तम् सत्र (फरवरी—जून, १९६०) के ४०४ अतारांकित प्रश्नों में से ११४ अतारांकित प्रश्नों के उत्तर सभा की मेज पर रखता हूं। शेष प्रश्नों के उत्तर सचिवालय के विभागों से प्राप्त होने पर उपलब्ध कराये जायेंगे।

सूची।

क्रम संख्या।	सदस्यों के नाम।	प्रश्न संख्या।
१	श्री उमेश्वर प्रसाद	२३५।
२	श्री रामानन्द तिवारी	२३६, २४७, २५३, २५५, २५६, २६०, २७१, २७३, २७४, २७५, २७७, २८६, २८८, २८९, २९३, ३०२, ३०३, ३३०, ३३२, ३३४, ३४४, ३४८।
३	श्री भूपेन्द्र नारायण मंडल ..	२३७।
४	श्री सुखदेव मांझी	२३८, ३१४।
५	श्री देवनन्दन प्रसाद	२३९, २८२।
६	श्री रूपलाल राय	२४०।
७	श्री विपिन बिहारी सिंह ..	२४१, २६१, २७६, २८१, ३२२।
८	श्री कपिलदेवसिंह	२४२, २८५, २९१, २९२, ३२०, ३२७।
९	श्री जय नारायण झा 'विनीत' ..	२४३, २८७।
१०	श्री खूब लाल महतो	२४४, ३४६।
११	श्री कर्पूरी ठाकुर	२४५, २४६।
१२	श्री बिगू राम	२४८।
१३	श्री केशव प्रसाद	२४९, २६६, ३०१, ३०६।
१४	श्री लखन लाल कपूर	२५०, ३४०।
१५	श्री ब्रज नन्दन शर्मा	२५१।
१६	श्री हरिचरण सोय	२५२, २६५, ३१२, ३१८।

क्रम सं०।	उन ग्रामों का नाम जिनके आहरों की खाड़ी की मरम्मती हुई।	हुए खर्च जिसका भुगतान किया गया। रु०
(१)	जोवे	१६०
(२)	पीधुलिया	[illegible]
(३)	कोसडीहरा	१२
(४)	सिन्दुरियासाया	..
(५)	वेनीगंजहर	..
(६)	घघुआ	..
(७)	करमालहुंग	..
(८)	कोसडीहरा	५३
(९)	रटवा नोनियां बिगहा	२३२
(१०)	चिरैली	..
(११)	वसडीहा	..
(१२)	मुंगिया	..
(१३)	वसडीहा	..
(१४)	झरीटोलावलथी	५०१
(१५)	देवनखीरी	..
(१६)	सोनवरसा खैरा	३०६
(१७)	सत्तर	..
(१८)	सायाभरथ	..
(१९)	विलासपुर	४७८

पारसनाथ पर्वत का क्षेत्रफल।

२९८। श्री हेमलाल प्रगनैत—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि पारसनाथ पहाड़ डुमरी और पीरटांड़ थाने के अन्तर्गत हजारीबाग जिले में ग्रैन्ड ट्रंक रोड के उत्तर में स्थित है;

(२) उक्त पर्वत का क्षेत्रफल क्या है;

(३) उस पर्वत से सरकारी कोष में कितने रुपये और किस-किस मद से साल के अन्त में आते हैं;

(४) क्या यह बात सही है कि उस पर्वत के चारों ओर आदिवासियों की घनी आबादी है; यदि हां, तो उनके सुधार के निमित्त सरकार ने कौन-कौन-सी योजनाएं आजतक अपनायी है?

श्री विनोदानन्द झा—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) इस पर्वत का क्षेत्रफल २२ वर्गमील के लगभग है।

(३) इस पर्वत से लगभग ५० (पचास) रुपये प्रतिवर्ष छरी तोड़ने की रोयल्टी से राजस्व प्राप्त होता है।

(४) उत्तर स्वीकारात्मक है। आदिवासियों के सुधार के निमित्त सरकार ने अबतक जो कार्य किये हैं उनका ब्योरा इस प्रकार है:—

कुएं	..	..	११
ढारी	..	..	२४
स्कूल भवन	..	..	१
आवास-गृह	..	..	१७
गांधी चबूतरा	..	..	१
कलभर्ट	..	..	१
बांध और आहर	..	..	६
कम्युनिटी हॉल	..	..	१
पुल	..	..	१

इसके अतिरिक्त निम्नलिखित सड़क का भी निर्माण किया गया है:—

(१) जीतपुर-कारूजोरा मार्ग।

(२) मधुबन-बलाटांड़ मार्ग।

(३) पांडेडीह-खुखरा मार्ग बनाने की अभी योजना है।

चिरकी एवं हरलाडीह स्थित अन्न-भंडार से समय पर ऋण लगाकर इन आदिवासियों की सहायता की जाती है तथा चिरटांड़ स्थित काष्ठकला प्रशिक्षण केन्द्र में आदिवासियों को प्रशिक्षण दिया जाता है।

पुरातन परती जमीन की बन्दोबस्ती।

२९९। श्री रामचरण किस्कू—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि संथाल परगना के पाकुड़ सबडिवीजन के लिटीपाड़ा थाने के अन्तर्गत मौजा जबरदाहा की पुरातन परती जमीन प्लाट नं० ४०३ इस बस्ती के पश्चिमी छोर में है तथा बस्ती के मवेशी बरसात और खेत में फसल रहने तक दूसरी पुरातन परती जमीन नहीं रहने के कारण इसी जमीन में घर से निकलते हैं;

(२) क्या यह बात सही है कि गांव के प्रधान और सोलह आना रैयत गांव की किसी भी पुरातन परती जमीन को गांव के मवेशियों के लिये गोचर जमीन रख सकते हैं;